गेल के 'जुबली टॉवर' ने जीता एलएलईडी प्लेटिनम ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग अवार्ड

नई दिल्ली। नोएडा स्थित गेल (इंडिया) लिमिटेड के नए बहु मंजिला कार्यालय भवन परिसर 'जुबली टॉवर' ने एलएलईडी प्लेटिनम ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग का पुरस्कार जीता है। यह इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा प्रदान किया जाने वाला सबसे बड़ा पुरस्कार है। बता दें कि 'जुबली टॉवर' गेल की प्रतीकात्मक प्रगति को दर्शाने वाला प्रतिष्ठित भव्य निर्माण है।

एएन चौधरी (जीएम सिविल) इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल लेते हुए।

यह 21 मंजिला भवन बेसमेंट सहित 25,000 वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित किया गया है। इसके बेसमेंट में तीन स्तरीय यांत्रिक कार पार्किंग जो एक सुरंग के माध्यम से जुड़ी हुई है। 600 लोगों के कार्यस्थल के साथ इसमें गेल के प्रमुख विभाग जैसे-राष्ट्रीय गैस प्रबंध केन्द्र, कैफेटेरिया, बहु-उपयोगी सभाकक्ष और पुस्तकालय स्थित है। साथ ही प्रबंधन के लिए 21वें तल पर स्थान निर्धारित किया गया है। इस भवन की खास बात यह है कि इसे अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया गया है। भवन आक्युपेंसी और लक्स-लेवल सेंसर, कैम्पस एरिया में 30 केवी का एक सोलर पैनल, वर्षा जल संचयन प्रणाली, हर तल पर सीओ 2 सेंसर, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि से लैस है।

गेल ने न केवल जुबली टॉवर, नोएडा में किए गए उपायों के द्वारा पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का अभिनव प्रयास किया है बल्कि कोच्चि तथा बेलापुर की अन्य निर्माण परियोजनाओं में भी ऐसे ही प्रयास किए हैं। गेल के ऐसे हरित भवन पूरे भारत में आने वाले स्मार्ट शहरों में किए जाने वाले इसी प्रकार के निर्माण के मॉडल बन सकते हैं।